भारतीय–वैभवज्ञान–परीक्षा २०२४

रजतजयन्ती वर्षसमारोहः

सेवायाम्

प्राचार्य/प्रबन्धक/विभागीय अध्यक्ष/आचार्य एवम् अभिभावक वृन्द,

.....

आदरणीय महानुभाव!

आप यह विदित हो अति प्रसन्न होंगे कि आप के सहयोग से **चातुर्वेद– संस्कृतप्रचार–संस्थानम्** वाराणसी द्वारा प्रतिवर्ष **भारतीय वैभवज्ञान परीक्षा** का आयोजन किया जाता है। भारतीय ज्ञान–विज्ञान, संस्कृति एवं परम्पराओं से सम्बन्धित **सामान्यज्ञान परक संस्कृत माध्यम से होने वाली (वस्तुनिष्ठ आधारित) यह विशिष्ट एवं भारत की प्रथम परीक्षा / प्रतियोगिता है।** यह अपनी शुचिता, पारदर्शिता तथा निष्पक्षता के लिये प्रसिद्ध है। इस वर्ष **परीक्षा का आयोजन बालवर्ग, कनिष्ठवर्ग, वरिष्ठवर्ग एवं स्नातकवर्ग के लिये ऑफलाइन तथा ऑनलाइन इन उभय.विधियों द्वारा किया जा रहा है, तथा विशेषरूपेण भारतीय भाषाओं, जलसंचयन, वनसम्पदा, 'एक व्यक्ति एक वृक्ष'– वृक्षारोपण, आदि प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समझने तथा उसके प्रति सकारात्मक पहल हेतु समर्पित है।**

इस क्रम में प्रतिभागियों, संयोजकों, प्रायोजकों तथा अन्य सहयोगियों को पुरस्कृत तथा सम्मानित किया जाना संस्थानम् की गौरवमयी परम्परा है।

इस परीक्षा में देश के किसी भी विद्यालय, महाविद्यालय विश्वविद्यालय के कक्षा 3 से परास्नातक पर्यन्त अध्ययन करने वाले छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं।

अतः निवेदन है आप प्रबुद्ध सुधीजन के पुनः सहयोग, स्नेह एवं प्रेरणा हेतु। प्रयास हो अपने माध्यम से /शिक्षण संस्थान से अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं की प्रतिभागिता सम्भव हो सके।

आपके सहयोग का हाथ संस्कृत–विकास के साथ।। सधन्यवाद,

परिवर्धित आवेदन तिथि– 15 सितम्बर 2024 पर्यन्त।

नियम व निर्देश देखें आवेदन करें– chaturvedsanskrit.in/

परीक्षा तिथि–

संयोजक स्तरीय– 20 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 पर्यन्त। (केवल ऑफलाइन माध्यम से)।

परिणाम घोषणा एवं पुरस्कार वितरण – परीक्षा तिथि से 15 दिनों के बाद।

राष्ट्र स्तरीय– 27 अक्टूबर 2024 (केवल ऑनलाइन माध्यम से)।

परिणाम घोषणा– 28 अक्टूबर 2024।

पुरस्कार वितरण एवं सम्मान–समारोह– 10 नवम्बर 2024

- **राष्ट्रस्तरीय भारतीयवैभव मेधा पुरस्कार– प्रतिवर्ग प्रथम– 2000/–**(दो हजार) **द्वितीय– 1500/–**(एक हजार पॉच सौ), **तृतीय– 800/–** (आठ सौ) **सान्त्वना– 500/–**(पॉच सौ) रूपये। **(कुल 10पुरस्कार)**
- **संयोजक स्तरीय भारतीयवैभव प्रेरणा पुरस्कार– संयोजकस्तर, प्रतिवर्ग प्रथम– 1000/–** (एक हजार) **द्वितीय– 800/–**(आठ सौ), **तृतीय– 500/–**(पॉच सौ) **सान्त्वना– 300/–** (तीन सौ) रूपये। **(कुल 10पुरस्कार)** संयोजक स्तरीय पुरस्कार के स्वरूप का निर्धारण संयोजक पृथक् रूपेण भी कर सकेंगे।

➢**सम्मान** सर्वाधिक प्रतिभागिता, सफलता, सहयोग एवं प्रेरणादायी संस्थाओं/संस्था प्रमुखों को **आदर्श संस्थान–श्रीः** तथा परीक्षा को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले संयोजक बन्धुओं द्वारा पूरित ई–आत्म–विवरणपत्र के प्रवर–परीक्षा समिति द्वारा अनुमोदन के उपरान्त उन्हें **प्रशस्ति पत्र/"संस्कृत सेवा सम्मान"** से अलंकृत किया जाना संस्थानम् की गौरवमयी परम्परा है।

राष्ट्रीय संयोजक

भारतीय–वैभवज्ञान–परीक्षा २०२४

रजतजयन्ती वर्षसमारोहः

परीक्षा सम्बन्धी निर्देश –

परीक्षा का स्वरूप– परीक्षा का आयोजन अधिक से अधिक छात्रों को अवसर उपलब्ध कराना है। अतः अखिल भारतीय स्तर पर **ऑफलाइन तथा ऑनलाइन** रूप में कक्षा 3 से ले कर परास्नातक पर्यन्त अध्ययन कर रहे **किसी भी विषय के छात्र** प्रतिभाग कर सकते हैं। तैयारी के लिए प्रतिभागियों को संस्थानम् द्वारा प्रकाशित **भारतीय–वैभव–ज्ञानमाला** नामक पुस्तक की (पीडीएफ) उपलब्ध करायी जायेगी।

अर्हता वर्ग– बालवर्ग– कक्षा 3–5, कनिष्ठवर्ग– 6–8, वरिष्ठवर्ग– 9–12, स्नातकवर्ग– बी.ए.–एम.ए. , शास्त्री–आचार्य व अन्य समकक्ष। बाल वर्ग में कक्षा 1–2 के छात्र भी प्रतिभाग कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन है। chaturvedsanskrit.in/

शुल्क – परीक्षा सशुल्क है। **रू. 70/– (सत्तर रूपये)**। आवेदन से पूर्व नियमावली से पूरी जानकारी लें।

भुगतान के लिये आवेदन में लगे क्यू.आर. को स्कैन कर अथवा
UPI ID : 9450181972@indianbk का प्रयोग करें।
आवेदन के लिये अधिकतम 50KB एक पासपोर्ट साइज अपना चित्र एवं हस्ताक्षर, शुल्क भुगतान का ट्रान्जेक्सन नं., दिनांक के साथ संस्थानम् की वेबसाइट chaturvedsanskrit.in/ मीनू में आवेदन पर क्लिक कर अपेक्षित विवरण पूरित कर सब्मिट करें।

प्रश्नपत्र– सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होंगे। **बालवर्ग** के प्रश्नपत्र में **कुल 50 प्रश्न** तथा अन्य सभी वर्गों के प्रश्नपत्रों में **70 प्रश्न होंगे।** प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का तथा परीक्षा की **अवधि 1 घण्टा** होगी।
30 प्रश्न **'भारतीयवैभव ज्ञानमाला'** पुस्तक से तथा शेष प्रश्न पठित पाठ्यपुस्तकों, एवं स्तरीय समसामयिक से सम्बन्धित (प्रमुख राष्ट्रीय नीतियॉं, क्रीडा, भौगोलिक–राजनैतिक एवं शैक्षिक–स्थिति, पुरस्कार–सम्मान, जन–जागरुकता तथा अन्य विषय) होंगे।

❖ **विशेष** यह है कि **संयेजक स्तरीय परीक्षा में प्रश्न संस्कृत के साथ राज्यों की अपनी राजभाषा** में होंगे। किन्तु **राष्ट्र स्तर पर केवल संस्कृत** भाषा में ही प्रश्न रहेंगे।

➢ संयोजक स्तर की परीक्षा में **प्रतिवर्ग न्यूनतम 100 प्रतिभागियों** का होना अनिवार्य है।

➢ जिन राज्यों/जनपदों या स्थलों से कम प्रतिभागी होंगे, या संयोजक स्तर की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पायेंगे/जहॉं संयोजक नहीं होंगे वहॉं के प्रतिभागी केवल ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। इन दोनों स्तरों में से अनुपस्थित प्रतिभागियों को कोई अन्य अवसर नहीं दिया जा सकेगा।

परीक्षा–मूल्यांकन एवं परिणाम– यह परीक्षा दो चरणों में होगी। **प्रथम चरण** में इसके संयोजक वृन्द अपने स्तर अर्थात् अपने–अपने सम्पर्क क्षेत्रस्तर पर ऑफलाइन करायेंगे। श्रेष्ठ 15 प्रतिभागी **द्वितीय चरण** की राष्ट्रस्तरीय परीक्षा ऑनलाइन (गूगल फार्म /अन्यविधि) द्वारा देंगे।

➢ ऑफलाइन प्रश्नपत्रों' का केन्द्रीय मूल्यांकन तथा ऑनलाइन की स्वतः प्रणाली अपनायी जायेगी।

पुरस्कार– संयोजक स्तर, एवं राष्ट्रस्तर पर प्राप्तांकों की वरीयता के क्रम से **प्रथम, द्वितीय, तृतीय, एवं सान्त्वना** पुरस्कारों से पुरस्कृत किये जायेंगे। संयोजक स्तर पर प्रतिवर्ग निर्धारित सं0 100 से कम होने पर अन्य संयोजकों को जोड कर संयुक्त–परिणाम (एक इकाई मानकर) तैयार किया जायेगा।

परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त प्रतिभागियों को प्रोत्साहनार्थ **ई–प्रमाणपत्र** प्रदान किया जायेगा।

भारतीय–वैभवज्ञान–परीक्षा २०२४

रजतजयन्ती
वर्षसमारोहः

पुरस्कार एवं सम्मान –समारोह–

➢ **संयोजक स्तरीय परीक्षा का पुरस्कारवितरण** परीक्षा से 15 दिनों के बाद संयोजक द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा।

➢ **राष्ट्रस्तरीय परीक्षा का पुरस्कारवितरण एवं सम्मान समारोह** 10 नवम्बर 2024 को वर्चुवल आयोजन किया जायेगा।

(अपरिहार्य स्थिति में किसी प्रकार के परिवर्तन सम्भावित होने पर प्राप्त ईमेल, ह्वाट्सेप समूह तथा संयोजक द्वारा सूचना दी जायेगी।

➢ **राष्ट्रस्तरीय भारतीयवैभव मेधा पुरस्कार– प्रतिवर्ग प्रथम– 2000/–**(दो हजार) **द्वितीय– 1500/–**(एक हजार पॉच सौ), **तृतीय– 800/–** (आठ सौ) **सान्त्वना– 500/–**(पॉच सौ) रूपये। **(कुल 10पुरस्कार)**

➢ **संयोजक स्तरीय भारतीयवैभव प्रेरणा पुरस्कार– संयोजकस्तर, प्रतिवर्ग प्रथम– 1000/–** (एक हजार) **द्वितीय– 800/–**(आठ सौ), **तृतीय– 500/–**(पॉच सौ) **सान्त्वना– 300/–** (तीन सौ) रूपये। **(कुल 10पुरस्कार)** संयोजक स्तरीय पुरस्कार के स्वरूप का निर्धारण संयोजक पृथक् रूपेण भी कर सकेंगे।

➢**सम्मान** सर्वाधिक प्रतिभागिता, सफलता, सहयोग एवं प्रेरणादायी संस्थाओं/संस्था प्रमुखों को **आदर्श संस्थान–श्रीः** तथा परीक्षा को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले संयोजक बन्धुओं द्वारा पूरित ई–आत्म–विवरणपत्र के प्रवर–परीक्षा समिति द्वारा अनुमोदन के उपरान्त उन्हें **प्रशस्ति पत्र/"संस्कृत सेवा सम्मान"** से अलंकृत किया जाना संस्थानम् की गौरवमयी परम्परा है।

ध्यातव्य– *परीक्षा सम्बन्धी किसी भी प्रकरण पर (स्वरूप, परिणाम, पुरस्कार एवं सम्मान आदि में) परिस्थितिजन्य संशोधन परीक्षा समिति का सर्वाधिकार होगा।*

परीक्षा समिति–

चातुर्वेद संस्कृतप्रचार संस्थानम् के समस्त पदाधिकारी राष्ट्रीय संयोजक प्रवर–समिति एवं समस्त संयोजक तथा सह–संयोजक वृन्द परीक्षा समिति के सम्मानित सदस्य रहेंगे।

राष्ट्रीय संयोजक

डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल

परिकल्पक भारतीय–वैभवज्ञान–परीक्षा
सहायक आचार्य
सन्त गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
मुहम्मदाबाद–गोहना, मऊ उ.प्र.।
सचलभाष– 8318867067